

# Inhalt

|                                                    |    |
|----------------------------------------------------|----|
| Vorwort .....                                      | 9  |
| Wir haben seine Herrlichkeit geschaut              |    |
| <i>Johannes 1,14–18</i> .....                      | 13 |
| Rivalität zwischen Brüdern                         |    |
| <i>Genesis 25,20–34</i> .....                      | 17 |
| Seid heilig, denn Gott ist heilig                  |    |
| <i>Levitikus 19</i> .....                          | 21 |
| Dein Wort für mich und in mir                      |    |
| <i>Deuteronomium 11,18–21</i> .....                | 26 |
| Gott zurückgeben, was er uns geschenkt hat         |    |
| <i>Deuteronomium 26,1–11</i> .....                 | 29 |
| Dieser Mensch bist du!                             |    |
| <i>2 Samuel 11,2–16.26–12,15</i> .....             | 33 |
| Um seiner selbst willen glauben?                   |    |
| <i>Hiob 1,1–21</i> .....                           | 39 |
| Das Gesetz, das Leben schenkt                      |    |
| <i>Psalms 1</i> .....                              | 44 |
| Gott im Himmel, in seinem Gesetz und in mir        |    |
| <i>Psalms 19</i> .....                             | 47 |
| Von der Verzweiflung zum Lobpreis                  |    |
| <i>Psalms 22</i> .....                             | 52 |
| Gott, nimm mich an, auch wenn ich zu Gewalt neige! |    |
| <i>Psalms 35</i> .....                             | 57 |

|                                                                      |     |
|----------------------------------------------------------------------|-----|
| Alles, was atmet, lobe den Herrn!                                    |     |
| <i>Psalm 150</i> .....                                               | 61  |
| Im Garten Gottes wohnen                                              |     |
| <i>Jesaja 41,17–20</i> .....                                         | 64  |
| Der Gott der Barmherzigkeit                                          |     |
| <i>Jesaja 55,6–9</i> .....                                           | 67  |
| Religion und Glaube                                                  |     |
| <i>Jeremia 7,1–11</i> .....                                          | 71  |
| Hoffnung für die Zukunft                                             |     |
| <i>Jeremia 29,1–14</i> .....                                         | 74  |
| Jesus, Herodes, die Sterndeuter und wir                              |     |
| <i>Matthäus 2,1–12</i> .....                                         | 79  |
| Die ersten Jünger Jesu                                               |     |
| <i>Johannes 1,35–42</i> .....                                        | 83  |
| Auf Christus schauen                                                 |     |
| <i>Lukas 4,16–30</i> .....                                           | 86  |
| Die Vergebung der Armen                                              |     |
| <i>Matthäus 6,12</i> .....                                           | 90  |
| Denn eine Kraft ging von ihm aus ...                                 |     |
| <i>Lukas 6,12–20</i> .....                                           | 93  |
| Ströme lebendigen Wassers                                            |     |
| <i>Johannes 7,37–39</i> .....                                        | 97  |
| Worte des Lebens                                                     |     |
| <i>Matthäus 7,24–27</i> .....                                        | 100 |
| „Der Menschensohn hat keinen Ort, wo er sein Haupt<br>hinlegen kann“ |     |
| <i>Matthäus 8,18–23</i> .....                                        | 103 |
| Die Freude wagen                                                     |     |
| <i>Matthäus 13,44–46</i> .....                                       | 106 |
| Barmherzig sein wie Gott                                             |     |
| <i>Lukas 6,27–36</i> .....                                           | 109 |

|                                                               |     |
|---------------------------------------------------------------|-----|
| Mit leeren Händen vor Gott stehen                             |     |
| <i>Lukas 14,7–11</i> .....                                    | 113 |
| Was es „kostet“, ein Jünger zu sein                           |     |
| <i>Lukas 14,26–33</i> .....                                   | 116 |
| Trauer, die sich in Freude verwandelt                         |     |
| <i>Johannes 16,19–22</i> .....                                | 119 |
| Das Kommen des Königs                                         |     |
| <i>Matthäus 28,16–20</i> .....                                | 123 |
| Stephanus, der erste Märtyrer, und sein Gebet um<br>Vergebung |     |
| <i>Apostelgeschichte 7,54–8,4</i> .....                       | 126 |
| Für Gott leben                                                |     |
| <i>Römer 6,3–11</i> .....                                     | 130 |
| Ein Leib in Christus                                          |     |
| <i>Römer 12,3–13</i> .....                                    | 133 |
| Ausdauer in der Solidarität                                   |     |
| <i>Römer 15,1–7</i> .....                                     | 137 |
| Gott hat das Schwache erwählt                                 |     |
| <i>1 Korinther 1,26–31</i> .....                              | 140 |
| Legt den alten Menschen ab und lebt als Auferstandene!        |     |
| <i>Kolosser 3,1–12</i> .....                                  | 143 |
| Jesus, Sohn und Bruder                                        |     |
| <i>Hebräer 5,7–10</i> .....                                   | 146 |
| Eine Wolke von Zeugen                                         |     |
| <i>Hebräer 12,1–2</i> .....                                   | 150 |
| Das Wort in die Tat umsetzen                                  |     |
| <i>Jakobus 1,19–27</i> .....                                  | 153 |
| Textstellen .....                                             | 157 |